मिटटी खाटू की | By Mukesh Goel

आखरी समाय में हम करीब हो न हो
मिटटी खाटू धाम की नसीब हो न हो

जब तक तन में ये सांस रहेगी
थोड़ी सी ये मिटटी मेरे पास रहेगी
क्या पता ये धाम नज़दीक हो न हो
मिटटी खाटू धाम की नसीब हो न हो

तेरे धाम की ये मिटटी बड़ी ही महान
इसके तो कण कण में है मेरा श्याम
इससे अच्छा मेरा ये नसीब हो न हो
मिटटी खाटू धाम की नसीब हो न हो

लाखों लाखों भक्तों के पाँव पड़े हैं
बरसों से इसमें मेरे श्याम खड़े है
अगले जनम में ये गरीब हो ना हो
मिटटी खाटू धाम की नसीब हो न हो

बनवारी मेरा ये नसीब खुल जाए
तेरी मिटटी में ये मेरी मिटटी मिल जाए
नाम मेरा भक्तों में शरीक हो ना हो
मिटटी खाटू धाम की नसीब हो न हो

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%bf%e0%a4%9f%e0%a4%9f%e0%a5%80-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a5%80-by-mukesh-goel/